Patrika (Indore), 16th July 2022, Page-Plus 01

आइआइटी इंदौर 3 पायदान नीचे

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. इस बार की एनआइआरएफ में मैनेजमेंट संकाय में इंदौर का आइआइएम फिर टॉप-10 में जगह बनाने में तो कामयाब रहा, लेकिन पिछले साल की तुलना में एक पायदान नीचे आया है। आइआइटी इंदौर की रैंक में भी गिरावट रही। यूनिवर्सिटी कैटेगरी में प्रदेश की पहली ए प्लस डीएवीवी को 101 से 150 बैंड में जगह मिली है।

शुक्रवार को देशभर के शैक्षणिक संस्थानों की रैंकिंग जारी की गई है। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) में टीचिंग, लर्निंग एंड रिसोर्सेस, रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टिसेस, ग्रेजुएशन आउटकम, आउटरीच एंड इन्क्लूसिविटी और परसेप्शन के आधार पर अंक दिए जाते हैं। प्रदेश में नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद यह पहली रैंकिंग है। प्रदेश के संस्थानों में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आइआइएम) इंदौर लगातार टॉप पर है। 70.66 अंकों के साथ आइआइएम ने देशभर के मैनेजमेंट संस्थानों में सातवीं रैंक पर कब्जा जमाया। हालांकि, पिछले साल आइआइएम मैनेजमेंट संकाय में छठे स्थान पर रहा था।

एसजीएसआइटीएस को बड़ा झटका

एनआइआरएफ में सबसे बड़ा झटका इंजीनियरिंग संस्थान एसजीएसआइटीएस को लगा है। पिछले साल एसजीएसआइटीएस को 181वीं रैंक मिली थी, लेकिन इस बार वह दौड़ से ही बाहर रह गया।

आइआइटी को तीन रैंक, दो में गिरावट

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी आइआइटी इंदौर को इंजीनियरिंग के साथ दो अन्य कैटेगरी ओवरऑल और रिसर्च में भी रैंक मिली है। इनमें से दो कैटेगरी में आइआइटी का प्रदर्शन कमजोर रहा। इंजीनियरिंग में पिछले साल आइआइटी को 13वीं रैंक मिली थी, जो इस बार 16 पर पहुंच गई। ओवरऑल में 31वां स्थान मिला। रिसर्च में 26वां स्थान यथावत रहा।